यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/33/2018 **दिनांक :** 02.04.2018

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

75वें वर्ष की ओर अग्रसर एआईबीईए

हमें अपने सभी सदस्यों को सूचित करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता अनुभव हो रही है कि आगामी 20 अप्रैल, 2018 को हम एक ओर तो एआईबीईए का 73वाँ स्थापना दिवस आयोजित कर रहे होंगे वहीं हमारे लिए यह एक बड़े गर्व का विषय होगा कि धीरे–धीरे एआईबीईए अपने 75वें स्थापना दिवस की ओर अग्रसर होगी। हम लोग अत्यन्त सौभाग्यशाली हैं कि हमारे जीवनकाल में ऐसा अवसर आया। एआईबीईए के 73वें स्थापना दिवस पर एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय ने अपना परिपत्र संख्या 28/47/2018/10 दिनांक 01.04.2018 जारी किया है जिसका अनूदित सार हम आप सभी की सूचना, संज्ञान एवं अनुपालन हेतु प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **एआईबीईए का 73वाँ स्थापना दिवस – 20 अप्रैल, 2018**
- **हर्षित होने का अवसर – संकल्प लेने का अवसर**
- **शपथ लेने का अवसर – तैयारी करने का अवसर**

AIBEA 73
20 अप्रैल 2018

हमारी सभी इकाईओं तथा सदस्यों को ज्ञात ही होगा कि 20 अप्रैल, 2018 एआईबीईए के गौरवशाली अस्तित्व के 72 वर्ष पूरे करने का अवसर है और हमारे प्रिय संगठन का 73वाँ स्थापना दिवस होगा। हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी हमें उचित रूप से स्थापना दिवस को मनाने की आवश्यकता है।

वह सब जो आज बैंक कर्मचारी आनंद ले रहे हैं – बेहतर वेतन, सुरक्षित सेवा शर्तें, सुरक्षित आजीविका तथा पूरी आजीविका सुरक्षा, दृढ़ श्रम संगठन अधिकार, सामूहिक सौदेबाजी और द्विपक्षीय वार्ता का अधिकार – कर्मचारियों की एकता, संगठन के प्रति बफादारी तथा एआईबीईए के ध्वज तले निरन्तर जुझारू संघर्षों का परिणाम है। हमें भी गर्व है कि एआईबीईए ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण के लिए संघर्ष करने में अग्रणी भूमिका निभाई और आज हम इन बैंकों के निजीकरण के सभी प्रयासों के विरूद्ध संघर्ष कर रहे हैं।

हम सभी निश्चित रूप से समझते हैं कि सरकार की शत्रुतापूर्ण नीतियों के कारण आगे के दिन कठिन तथा अधिक चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। बैंकिंग उद्योग गंभीर हमलों के तहत होगा। निजी कॉर्पोरेट, जो बड़े खराब ऋणों के लिए जिम्मेदार हैं, अब हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को निगलने के लिए निजीकरण की मांग कर रहे हैं।

जारी पृष्ठ 2

इसलिए हमें और अधिक एकजुट होने की आवश्यकता है, तथा हमें और अधिक संघर्ष करने की आवश्यकता है। हमें अपनी आजीविका तथा आजीवका सुरक्षा की रक्षा करने की आवश्यकता है, हमें बैंक कर्मचारियों के जीवन तथा सेवा शर्तों में सुधार के लिए संघर्ष करने की आवश्यता है।

हमें उन हजारों युवा बैंक कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित तथा रक्षा करने की आवश्यकता है जो बहुत सारी उम्मीदों के साथ हाल के वर्षों में बैंकों में शामिल हुए हैं। उनकी आजीविका तथा आजीविका सुरक्षा आज हमारे सामने एक प्राथमिक मुद्दा है।

हमारी नियमित तथा स्थायी नौकरियों के ठेकाकरण तथा आउटसोर्सिंग की नीतियां हैं। स्थायी कर्मचारियों की भर्तियां कम करने के प्रयास हैं। हमें आउटसोर्सिंग के विरूद्ध तथा पर्याप्त भर्तियों के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है।

हमें अपने देश के बड़े हित में जीवंत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। बैंक राष्ट्र निर्माण संस्थान हैं और उन्हें ऐसा ही रहना चाहिए।

हमारी अतीत गौरवशाली रहा है। भविष्य को और अधिक शानदार तथा सार्थक बनाना हमारे हाथों में है। इसलिए हम देशभर की अपनी सभी इकाईओं तथा सदस्यों का आह्वान करते हैं कि संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के साथ इस अवसर को मनायें।

हमारी इकाईओं द्वारा मनाये जाने वाले कार्यक्रम

- **हमारे सभी यूनियन कार्यालयों की सजावट :** इस अवसर को मनाने के लिए विभिन्न स्थानों/बैंकों पर हमारे सभी यूनियन कार्यालयों को अच्छी तरह से सजाया/रोशन किया जाना चाहिए।
- **यूनियन कार्यालयों के सामने एआईबीईए ध्वज को फहराया जाना :** 20 अप्रैल की सुबह/शाम हमारे यूनियन भवनों के सामने एआईबीईए का ध्वज फहराया जाना चाहिए।
- **पोस्टरों का प्रदर्शन :** पोस्टर का नमूना इसके साथ भेजा जा रहा है। हमारी सभी यूनियनों को पर्याप्त संख्या में पोस्टर छपवाने चाहिए और प्रत्येक शाखा/कार्यालय के सामने पोस्टर प्रदर्शित किये जाने चाहिए।
- **जन सभायें :** जन सभायें प्राथमिक तौर पर 20 अप्रैल, 2018 को अथवा 15 से 22 अप्रैल, 2018 के बीच सभी स्थानों पर आयोजित की जानी चाहिए जिसमें वर्तमान चुनौतियों तथा हमारे कार्यों को समझाते हुए एआईबीईए के गौरवशाली इतिहास को याद किया जाना चाहिए। ऐसी बैठकों में पूर्व नेताओं तथा वयोवृद्धों को आमंत्रित किया जाना चाहिए।
- **सेमिनार,** कार्यशालायें, प्रशिक्षण कक्षायें, ग्राहक बैठकें, आदि विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित की जानी चाहिए।
- एआईबीईए के इतिहास पर **परिपत्र, पर्चे, पुस्तिकायें** आदि अंग्रेजी तथा स्थानीय भाषाओं में जारी किये जाने चाहिए।
- हमारी इकाईओं द्वारा **सामाजिक पहचान कार्यक्रम/रक्तदान शिविरों** का आयोजन किया जाना चाहिए।
- **सांस्कृतिक तथा साहित्यिक कार्यक्रम** जिसमें हमारे युवा साथियों की भागीदारी हो, का विभिन्न स्थानों पर आयोजन किया जा सकता है।
- **संकल्प दिवस – शपथ लेना :** हमारे सभी सदस्यों को 20.4.2018 को भोजनावकाश अथवा कार्यालय समय के उपरांत संबंधित शाखाओं में इकट्ठा होना चाहिए और एक सार्वभौम शपथ लेनी चाहिए (नमूना संलग्न)।

अभिवादन सहित,

आपका साथी
ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री

एआईबीईए का 73वाँ स्थापना दिवस : 20 अप्रैल, 2018

हम एआईबीईए के सदस्य जो
....(बैंक)
की (केन्द्र/शाखा) .... में कार्यरत हैं

शपथ

- एआईबीईए के ध्वज तले हमेशा एकजुट रहने की
- एआईबीईए के तहत बैंक कर्मचारियों की एकजुटता को और सुदृढ़ करने की
- बैंक कर्मचारियों के हितों को बढ़ावा देने के सभी संघर्षों के लिए तैयार रहने की
- हमारी आजीविका तथा आजीविका सुरक्षा पर सभी हमलों से संघर्ष करने की
- सार्वजनिक क्षेत्र बैंकिंग की रक्षा करने की
- ग्राहक सेवा को और सुधारने की
- प्रतिगामी बैंकिंग सुधारों के सभी प्रयासों का विरोध करने की
- खराब ऋणों की वसूली के कठोर उपायों के लिए संघर्ष करने की
- श्रमिक–विरोधी श्रम सुधारों का प्रतिरोध करने की
- आउटसोर्सिंग के विरूद्ध तथा अधिक भर्तियों के लिए संघर्ष करने की
- लोगों के मौलिक अधिकार के रूप में बैंकिंग को प्राप्त करने की
- जीवंत भारत बनाने के लिए जीवंत बैंकिंग नीतियों की मांग करने की
- कामगार वर्ग के साथ एकजुट रहने की
- इंसान द्वारा इंसान के शोषण के विरूद्ध संघर्ष करने की
- सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने की
- महिलाओं तथा बच्चों पर सभी प्रकार के हमलों के विरूद्ध संघर्ष करने की
- एक मजबूत, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के लिए संघर्ष करने की
- एक मजबूत, लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी भारतीय गणतंत्र सुनिश्चित करने की

AIBEA ऑल इण्डिया बैंक इम्प्लाईज एसोसिएशन